आंतरिक बदलाव से ही भ्रष्टाचार समाप्त होगा

ज्ञानसरोवर। भ्रष्टाचार से भारत के लोग बहुत परेशान हैं। इस सम्बन्ध में मीडिया ने समय-समय पर भ्रष्टाचार की घटनाओं को उजागर भी किया है। उस उजागरी का लोगों पर असर हुआ है और उसकी सराहना भी हुई है। पर परिणाम में भ्रष्टाचार कम होने की बजाय बढ़ता ही जा रहा है। भ्रष्टाचार के विरोध में कानून बनने की वकालत करने वालों ने भी यह माना है कि सिर्फ कानून से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं होगा। जब तक व्यक्ति में स्वयं इस बुराई को समाप्त करने की स्वयं में धारणा नहीं होगी, उसका आचरण नहीं बदलेगा, तब तक भ्रष्टाचार समाप्त नहीं होगा। व्यक्ति के बदलाव के लिए उसे अपने सच्चे स्वरुप को पहचानना होगा। उक्त विचार मीडिया इनीशिएटिव फॉर वैल्यूज के राष्ट्रीय संयोजक प्रो. कमल दीक्षित ने 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत - मीडिया की भूमिका' विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अपने स्वरुप की पहचान उसे अध्यात्म के माध्यम से मिलेगी। ब्रह्माकुमारीज का लक्ष्य यही है कि व्यक्ति अपने शांत स्वरुप तथा मानवीय गुणों से सम्पन्न जैसे दया,प्रेम, करुणा, सहयोग आदि को अनुभव करे जिससे स्वर्ग की रचना इस भारत में हो सके।

देशोन्नति पत्र के सम्पादक राजेश राजोरे ने कहा कि भारत में भ्रष्टाचार की घटनाएं निरंतर बढ़ रही हैं। आजादी के बाद से न केवल भ्रष्टाचार बल्कि व्यभिचार और हिंसा की घटनाएं भी बढ़ी हैं और इन सबमें समाज के सभी वर्ग शामिल हो गए हैं। ऐसे सर्वव्यापी भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए बड़े सख्त कदम उठाने पड़ेंगे।

मानव मूल्यों की रक्षा करे मीडिया

ज्ञानसरोवर। निश्चित रुप से आज मीडिया में मूल्यों का अवमूल्यन हो रहा है। जिससे देशवासियों के समक्ष मीडिया के प्रति विश्वसनीयता का संकट उत्पन्न हो गया है। दरअसल लोगों का मीडिया के प्रति प्रारंभ से ही इतना विश्वास रहा है कि आज भी अखबार में छपी हुई किसी बात को ब्रह्म-वाक्य मानते हैं। समाचारपत्र समाज के लिए एक दर्पण की भांति है अत: मीडिया जगत से जुड़े लोगों को कोशिश करनी चाहिए कि इस साफ-सुथरे दर्पण में किसी भी तरह की धूल नहीं जमनी पाए।

उक्त विचार महामेधा के सम्पादक मधुकर द्विवेदी ने 'मूल्यों के संवर्धन हेतु मीडिया की विश्वसनीयता' विषय पर व्यक्त किए। उन्होने कहा कि समाज में मीडिया की भूमिका सकारात्मक होनी चाहिए और राष्ट्र व समाज की भलाई के लिए कर्म करना चाहिए। पहले पत्रकारों के पास सुविधाओं की कमी हुआ करती थी पर उस समय वे लगन व निष्ठा के साथ बहुत अच्छा काम करते थे। लेकिन आज सारी सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद निष्पक्ष व मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता गायब होती दिखाई पड़ रही है।

ओम शान्ति मीडिया के सम्पादक ब्र.कु.गंगाधर ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में सत्यता को प्रमुखता दी जानी चाहिए क्योंकि अनेक बार असत्य व पूर्वाग्रह से ग्रस्त समाचारों की वजह से आम आदमी प्रभावित होता है और समाज पर गलत असर पड़ता है। मीडिया को मानव मूल्यों की रक्षा के लिए कार्य करना चाहिए न कि किसी के महिमा मंडन में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए।

टाइम्स ऑफ इंडिया दिल्ली की सह सम्पादिका अम्बिका पण्डित ने कहा कि आध्यात्मिकता के माध्यम से अधिक जवाबदेही से कार्य किया जा सकता है। हमारे अंदर आध्यात्मिकता है तो ही हमारी कलम में आ पाती है। यह मान्यता कि अखबार में आध्यात्मिक खबरें अधिक महत्व नहीं रखती, यह सही नहीं है क्योंकि जब हम मानवीय संवदेना से जुड़कर लिखते हैं तो सभी को स्वीकार्य होती है।

प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट में पत्रकारिता की सह शिक्षिका डॉ.मनीषा शर्मा, ज्ञानामृत पत्रिका के सम्पादक ब्र.कु.आत्मप्रकाश, सी.के.नायडु ने भी विचार व्यक्त किए।

मीडियाकर्मियों

- पेज 1 का शेष ...

हैं कि समाज की सही स्थिति को सामने रखकर यह किया जा रहा है परन्तु समाज पर उसका बुरा असर पड़ रहा है। बहुत कम लोग ही इस नकारात्मकता से भी कुछ अच्छाई ले पाते हैं। महामेधा के सम्पादक मधुकर द्विवेदी ने कहा कि जिस तरह से खबरों के संसार में तनाव से व्यक्तिगत ऊर्जा का ह्रास हो रहा है उससे मनुष्य आंतरिक रुप से लगातार कमजोर होता जाता है। इसका असर उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन पर पड़ता है। ऐसे में यह जरुरी हो जाता है कि हम अपनी आंतरिक ऊर्जा को विकसित करने का प्रयास करें। हिन्दुस्तान टाइम्स के पूर्व सम्पादक सी.के.नायडु ने कहा कि अब पत्रकारिता में संवेदना समाप्त होती जा रही है। समाचारों की आड़ में जो खेल खेला जा रहा है वह चिन्ताजनक है। पुण्य नगरी मराठी समाचारपत्र के सम्पादक सोमनाथ पाटिल ने कहा कि अब जरुरत है कि पत्रकारिता करने वाले लोग अपनी अन्तर्आत्मा की आवाज सुनें और उस पर निर्णय लें। ब्र.कु.अशोक गाबा, सिद्धपुर से आईं ब्र.कु.विजया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में भारत तथा नेपाल से आए सैकड़ों पत्रकारों ने तीन दिन तक पत्रकारिता में गिरते मूल्य, चुनौतियों, व्यवसायिकरण पर अंकुश लगाने और नये समाज की रचना के संकल्पों के साथ प्रस्तावना पर सहमति प्रदान की।

मुम्बई (विले-पार्ले)। दादी जानकी से आध्यात्मिक चर्चा के पश्चात् महाराष्ट्र और गोवा के चीफ जस्टिस मोहित साह व कॉउन्सेल जनरल ऑफ रशिया एलेक्सी माजारुलोव ईश्वरीय सौगात स्वीकार करते हुए। साथ हैं ब्र.कु.योगिनी।

अहमदाबाद। राष्ट्रीय पुस्तक मेला का अवलोकन करते हुए ब्रह्माकुमारीज् के साहित्य स्टॉल पर पहुंचने पर मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुलदस्ते से स्वागत करते हुए ब्र.कु.चंद्रिका बहन।

देहरादून। नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा को गुलदस्ता भेंट कर बधाई देते हुए ब्र.कु.मंजु बहन।

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् ब्र.कु.सुषमा, ब्र.कु.चंद्रकला, ब्र.कु.महेन्द्र, ब्र.कु.शांताराम तथा अन्य समूह चित्र में।।

कुरुक्षेत्र। कोल ब्लॉक समिति के अध्यक्ष विजय पाल को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.राधा बहन।

घरौंडा। 'अलविदा तनाव' कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.पूनम बहन तथा ध्यानपूर्वक सुनते हुए एस.डी.एम. मुकुल कुमार, हरिवन्द्र कल्याण तथा नगर के गणमान्य जन।